

प्रेषक,

अरुण कुमार ढौंडियाल,  
अपर सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
समाज कल्याण उत्तराखण्ड,  
हल्द्वानी, नैनीताल।

समाज कल्याण अनुभाग-2

देहरादून दिनांक : 25 अप्रैल, 2008

विषय : चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 के आय-व्ययक में समाज कल्याण विभाग के अन्तर्गत महिला कल्याण से सम्बन्धित अनुदान संख्या-30 एवं 31 के आयोजनेत्तर पक्ष में प्राविधानित धनराशियों की वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

वित्त विभाग, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या : 267/XXVII/(1)/2008 दिनांक 27 मार्च, 2008 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 के आय-व्ययक की अनुदान संख्या-30 के आयोजनेत्तर पक्ष में ₹0 600.00 लाख /- (रु० छः करोड़ मात्र) एवं अनुदान संख्या-31 के आयोजनेत्तर पक्ष में ₹0 54.60 लाख (रु० चौवन लाख साठ हजार मात्र) की धनराशि संलग्नानुसार निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

1. अनुदान के अन्तर्गत होने वाले सम्भावित व्यय की फेजिंग (त्रैमास के आधार पर) अनिवार्य रूप से शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए, जिससे राज्य स्तर पर कैशफ्लों निर्धारित किये जाने में किसी प्रकार की कठिनाई न उत्पन्न हो।
2. आय-व्ययक द्वारा व्यवस्थित उक्त धनराशि में से केवल स्वीकृत चालू योजनाओं पर ही व्यय किया जाए, और किसी भी दशा में उक्त धनराशि का उपयोग नये कार्यों के कार्यान्वयन के लिए नहीं किया जाए।
3. उक्त आवंटित धनराशि किसी ऐसी मद पर व्यय करने से पूर्व वित्तीय हस्तपुस्तिका के अन्तर्गत शासन या अन्य सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति आवश्यक हो तो ऐसा व्यय अपेक्षित स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जाए।
4. यह व्यक्तिगत रूप से सुनिश्चित कर लिया जाए कि आवश्यकतानुसार आवंटित धनराशि के प्रत्येक बिल में चाहें वो वेतन आदि के सम्बन्ध में हो अथवा आकस्मिक व्यय के सम्बन्ध में सम्पूर्ण मुख्य /लघु/उप तथा विस्तृत शीर्षक को अंकित किया जाए और प्रत्येक बिल में दाहिनी और लाल स्याही से अनुदान संख्या-30 एवं 31 आयोजनेत्तर शब्द स्पष्ट लिखा जाए, अन्यथा महालेखाकार कार्यालय में सही बुकिंग में बाधा होगी।
5. संलग्नक में वर्णित धनराशियों का समय से उपयोग करने के लिए यह भी सुनिश्चित कर ले कि धनराशि परिधिगत अधिकारियों को तत्काल अवमुक्त कर दी जाए, आवंटन एवं व्यय की स्थिति से यथासमय शासन को अवगत कराया जाए।
6. मितव्ययता के सम्बन्ध में नियमों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। अवचनबद्ध मदों में व्यय करने से पूर्व वित्त विभाग की सहमति प्राप्त की जाए।
7. यदि किसी अधिष्ठान/योजनाओं के अन्तर्गत अतिरिक्त धनराशि की आवश्यकता हो तो अतिरिक्त धनराशि की मांग का औचित्यपूर्ण प्रस्ताव शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।
8. अप्रयुक्त धनराशि वित्तीय हस्तपुस्तिका के प्राविधानों के अन्तर्गत समय सारणी के अनुसार समर्पित किया जाना सुनिश्चित किया जाए।
9. उपर्युक्त निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन अपने एवं अधीनस्थ स्तरों पर भी सुनिश्चित करें।
10. समस्त उपकरण व रायंत्र का क्रय, वाहन का क्रय एवं कम्प्यूटर हार्डवेयर/साफ्टवेयर का क्रय की स्वीकृतियों के लिए औचित्यपूर्ण प्रस्ताव शासन को पृथक से उपलब्ध करायें।
11. बी0एम0-13 पर संकलित मासिक सूचनाएं नियमित रूप से शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

12. लाभार्थियों को पेंशन वितरण के सम्बन्ध में निम्नानुसार प्रक्रिया का पालन किया जाय:-
1. लाभार्थियों को पेंशन का भुगतान लाभार्थी के डाकघर बचत खाते के माध्यम से किया जाना सुनिश्चित किया जाय।
  2. प्रत्येक जनपद के लाभार्थियों की सूची हार्ड एवं साफ्ट कॉपी में, सम्बन्धित जिला समाज कल्याण अधिकारी द्वारा सम्बन्धित जनपद के प्रवर डाकघर अधीक्षक/डाकघर अधीक्षक को अग्रिम रूप से उपलब्ध करायी जायेगी।
  3. प्रत्येक जनपद के जिला समाज कल्याण अधिकारी द्वारा वांछित धनराशि का एक चैक, जो कि सम्बन्धित जनपद के प्रधान डाकघर के पोस्ट मास्टर के पक्ष में देय होगा, को लाभार्थियों की सूची सहित उपलब्ध कराया जायगा।
  4. चैक प्राप्त होने के दो सप्ताह के भीतर लाभार्थियों के बचत खाते में पेंशन की धनराशि जमा करनी आवश्यक होगी।
  5. दिनांक 15 नवम्बर, 2007 को डाक विभाग, उत्तराखण्ड परिमंडल के साथ समाज कल्याण विभाग द्वारा किये गये एमओयू के अनुसार कार्यवाही किया जाना सुनिश्चित किया जाय।
13. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 के आय-व्यय की अनुदान संख्या-30 एवं 31 के "आयोजनेत्तर पक्ष" में संलग्न तालिका में उल्लिखित लेखाशीर्षकों की सुसंगत प्राथमिक ईकाईयों के नामे डाला जायेगा।
14. यह आदेश वित्त विभाग के अशा0 संख्या : 32(NP)XXVII(3)/2008-09 दिनांक 21 अप्रैल, 2008 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक संख्या : 272

भवदीय,  
(अरुण कुमार ढोंडियाल)  
अपर सचिव।

पृष्ठांकन संख्या : 272 /XVII-02/08-बजट10(10) 2008, तददिनांक :

- प्रतिलिपि : निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-
1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
  2. मण्डलायुक्त, गढ़वाल/कुमाऊ, उत्तराखण्ड।
  3. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवाएं, उत्तराखण्ड, देहरादून।
  4. समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
  5. समस्त वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
  6. समस्त जिला समाज कल्याण अधिकारी, उत्तराखण्ड।
  7. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-03, उत्तराखण्ड शासन।
  8. बजट, राजकोषीय नियोजन व संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर, देहरादून।
  9. राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर, देहरादून।
  10. समाज कल्याण, नियोजन प्रकोष्ठ, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर, देहरादून।
  11. आदेश पंजिका।

आज्ञा से,  
(आर0 के0 चौहान)  
अनु सचिव।

अनुदान संख्या-30

आयोजनेत्तर

मतदेय

लेखाशीर्षक : 2235-02-103-02-01

मुख्य शीर्षक : 2235-सांसाजिक सुरक्षा तथा कल्याण

उप मुख्य शीर्षक : 02-समाज कल्याण

लघु शीर्षक : 103-गहिला कल्याण

उप शीर्षक : 02-अनुरक्षित जातियों के लिए स्पेशल कम्पोनेन्ट प्लान

ब्यौरेवार शीर्षक : 01-गिराश्रित विधवाओं के भरण-पोषण तथा उनके बच्चों की व्यवस्था हेतु अनुदान (जिला योजना)

(धनराशि हजार रुपये में)

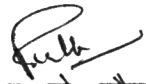
मानक मद	अवंटित धनराशि
20-सहायक अनुदान / अंशदान / राजसहायता	60000
योग	60000

(रुपये छः करोड मात्र)

(धनराशि हजार रू० में)

अनुदान संख्या 30 (आयोजनेत्तर) का महायोग	60000
---	-------

(रू० छः करोड मात्र)

  
( आर० के० चौहान )  
अनु सचिव।

अनुदान संख्या-31

आयोजनेत्तर

मतदेय

लेखाशीर्षक : 2235-02-103-02-01

मुख्य शीर्षक : 2235-सामाजिक सुरक्षा तथा कल्याण

उप मुख्य शीर्षक : 02-समाज कल्याण

लघु शीर्षक : 796-जनजातीय क्षेत्र उप योजना

उप शीर्षक : 01-निराश्रित विधवाओं के भरण-पोषण तथा उनके बच्चों की व्यवस्था हेतु अनुदान

ब्यौरेवार शीर्षक : 00

(धनराशि हजार रुपये में)

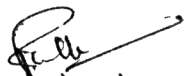
मानक मद	अवंटित धनराशि
20-सहायक अनुदान/अंशदान/राजसहायता	5460
योग	5460

(रुपये चौवन लाख साठ हजार मात्र)

(धनराशि हजार रु० में)

अनुदान संख्या 31 (आयोजनेत्तर) का महायोग	5460
---	------

(रु० चौवन लाख साठ हजार मात्र)

  
( आर० क० चौहान )  
अनु सचिव।